	a. 				
MARKET		पुक्त (अपील्स) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क:: O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE, द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2 st Floor, GST Bhavan, रेस कोसे रिंग रोड, / Race Course Ring Road, <u>राजकोट / Rajkot – 360 001</u> Fax No. 0281 – 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com		menter anat	
	रजिस्टई डाक ए. डी. द्व क ^{अपीत / फाइन संख्या /} ^{Arpeal (File No.} V2/27/BVR/2017 ख अपील आदेश संख्य	RI :- 6667 666 + 6667 T (Order-In-Appeal No	मूल आदेश म / 0.10 No R-278/Refund/16-17 0.):	दिसांभ/ Date 30.12.20	16
			000-APP-083-2017-1	8	
	आदेश का दिनांक/ Date of Order:	03.01.2018	जारी करने की तारीख। Date of issue:	09.01.2018	
	Passed by Shri		Commissioner (Appeals), I		
	मूल आदेश से सृतितः ।		लीच उत्पाद गुल्का शेवाकर, राजकोट । जावजना		
۲ ۲			ional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner		
	M/s Madhav Copp Bhavnagar - 364 0	AT I LIU, FIOL NO.	ame&Address of the Appella 5/B/B, Survey No. 346-47	nts & Respondent Near Kobdi, Ukh	:- arla,
			उपपुत्रल प्राप्तिवरणे / प्राप्तिवरण के समक्ष अपीज an appeal to the appropriate authority in		
(A)	अन्यान एक जिल्हाय उत्पाह शह	 एवं रोताका अपीलीच ल्यावार्ग 	प्रेमरण के पनि अपील, केन्द्रीय उत्पद्ध गुल्क अ अभविधित जगह की जा सबसी है // ribunal under Section 358 of CEA, 194	a a construction of the construction	E &
-0	वेमीकाण मूल्यांकज से सम्बन्धित 2. आह. के प्रायंत पूर्व विचली क	सभी सामले होना सुल्क, केन्द्रीय	' अत्यादन कुन्त एव जेवावर अर्फलीय स्वायाधिक ppellate Tribunal of West Block No. 2, F	2012/22	
(4)	उपगेकत परिष्ठेद 1(a) में बताए (गिस्टेट) की पतिचय क्षेत्रीय पीठिक	1(a) में बताए गए अपीली के अलावा शेष लगी अपीले सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवकर अपीलीय ज्यायाप्रिकरण र वीपीय पीठिकर, , दुवितीय तल, बहुमाजी अवस अल्प्यों अवस्टावर, 2764ए को की पाने पूर्व जेवकर अपीलीय ज्यायाप्रिकरण		रण	
	The second works for the party balances	at the second	e Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at a as mentioned in para- 1(a) above	2 nd Floor, Bhaumali Bhaw	
(10)	अभीनीय स्वायाधिकरण के संसष्ट अ गये प्रपत्र EA-3 को धार प्रतियों जे और लगाया गया ज़मांका, रुपए 5 न नपये, 5,000/- रुप्ये अयवा 10,00 स्वायाधिकरण की शाखा के सहायक संबधित हाक्ट का मुजताल, बैंक की लिए आग्रेटल-पत्र के साथ 500/- रुपए	पील प्रस्तुल करने के लिए केन्द्रीय दर्ज किया जाना चाहिए । इनमें तख का उसवे कज 5 लाख क्या 20- रुपये का निर्धारित जमा ह जिस्टार के नाम से कियी भी सों उस शाखा में होना चाहिए जहां सब ' का विधीपित शुरुक जसा काला ।	उत्पाद कुल्क (अलील) नियमावली, 2001, के वि में कम से कम एक पनि के साथ, जहां उत्पाद या 50 लाख रुपए लक जयवा 50 लाख रुपए एक की प्रति संलग्ध करें। निर्धातित शुल्क वैजिनक क्षेत्र के बैंक दुवारा जारी रेखाकित बैंक वु स्थित अपीलीय ल्यायाधिकरण की साखा वियल है रेजा 0	विस 6 के अतमेन निपारित वि शुरुष की मॉग झ्याज की मं में अधिक हे तो कमश 1,000 का मुगतज, संबंधित मयोजी प्पट देवता किया जान द्यहिए 1 स्पर्यत आदेश (स्टे कोईर) 1	न्दर म ।
	The appeal to the Appellate T Excise (Appeal) Rules, 2001 at 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- above 50 Lac respectively in th sector back of the place where is situated Application made for	ribunal shall be filed in gua td shall be accompanied ag where amount of duty dem e form of crossed bank dra the bench of any nominated grant of stay shall be accompany	adruplicate in term EA-3 / as prescribed ainst one which at least should be acco and/interest/penaby/refund is upto 5 Lac iff in favour of Adst. Registrar of branch I public sector bank of the place where	under Rule 6 of Centra impanied by a fee of Ra 5 Lac to 50 Lac and of any nominated public the bench of the Toublic	1
	प्रियालय मधावायमाप के संसाध अभी जिमांगित प्रथा ST-5 में चात प्रतियों (उनमें हे एक प्रति प्रसाणित होती चा कुर्मातर, रुपए 5 ताख था उससे कय रुपये अधात 10,000/- रुपये का जिमांगि संसायक रजिस्टार के ताम से किसी झी बैंक की उस साखा में होना पाहिए जहा 500/- रुपए का निपरीरित सुरुक जमा का	ल, मिल्ल अधिनियम, 1994 की में की जा सकेनी एवं उसके लाघ हेए। और इनमें से कम से कम 5 लाख स्वरूप या 50 लाख स्वए ल जमा शुरुक की प्रति संतरम को सर्वतिमर्च क्षेत्र के बैंक द्वारा जरी सर्वधित अपीक्षीय न्यायाधिकरण । ला होगा।/	धारा 88(1) के अंतर्गत रोताकर नियमताली, 19 । निम आदेश के जिरुद ज्यील की गयी हो, उस एक प्रति के साथ, जहां नेवाकर की मॉन उसार तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक हे तो कर दे निर्धापित शुरुक का मुन्ताल, स्वर्णित अपीलीय रेखापित बैंक द्वापट द्वीता किसा जान्य पाहिए की शाखा हिथल हे । ज्येगल आदेश (स्टे अविंग)	64, के जियम 9(1) के 18न की प्रति साथ में संसदन को की सोन-वॉरि, लब्दि म-सुवा का 1,0005 स्पूर्व 5,0005 - नुसंसदिक स्पूर्व की साम्रा के प्रवाधित इन्द्र की मुगलका	
4 (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	The appeal under sub section (suadruplicate in Form S.T.5 as pr copy of the order appealed again 1000/, where the amount of service impunt of service tax & interest is 10,000/, where the amount of 30m of constant of	 of Section 88 of the Fi escribed under Fiule 9(1) of st (one of which shall be or a tax & interest demanded demanded & penalty levied service tax & interest demander 	nance Act, 1994, to the Appellate Trib the Service Tax Rules, 1994, and Shall entitled copy) and should be accompan & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less is more than five takhs but not exce ided & penalty levied is more than tifty of the bench of nominated Public Sec grant of stay shall be accompanied by a	be accompanied by a ed by a fees of Re Rs 50007 where p	

....2....

वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 85 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की रागी अपील, संवाकर जियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एव 9(2A) के तहत निर्धारित प्रयत्र S.T.-7 में की जा सकेनी एवं उसके साम आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (मण्डेल), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्यारा पारित आदेश की प्रतियों संसनन करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी थाहिए) और आयुक्त द्यारा संतयक आयुक्त अपवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्का संयाकर, को अपीसीय न्यायाधिकाया को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी लय में सलमन करनी होगी । / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 85 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed

17.

under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal

(ii)

(i)

65

तीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 350फ के अंतर्गत, जो की विलीध अधिनियम, 1994 की धारा 83 के जलगेल सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्कासेवा कर मांन के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है. या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बधलें कि इस धारा के अंतर्गल जमा कि जाने वाली अपीक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।

केन्द्रीय उत्पद्य शुल्क एवं सेवाक्य के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्का" में जिस्न शामिल है

- धार 11 ही के अतमेत रच्या -03
- रोजवेट जमा की जी गई गलत चाँवि (6)
- संगतेह जमा निवमावली के लिवम 6 के अलमेल देव रक्स (11) बधारी यह कि इस धाए के पावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनिवल 2014 के आदम से पूर्व किमी अधीनीय फॉएकारी के समका विधानधीन

रथगन अली एवं अपील को लागू नहीं होगे।/ For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,

- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
- amount determined under Section 11 D; 01
- amount of emoneous Cenval Credit taken; (4)
- amount payable under Rule 6 of the Cenval Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C)

Revision application to Government of India: इस आदेश की पुनरिक्षण पाधिका जिन्द्रानिखिल मामानों में, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्यत अंवर शरीब, आरत सरेकार, पुनरिक्षण आवेदन हेकरहे, विल्त संवालय, राजस्व विकास, चौधी मजिल, जीवन होप मनल, संसद मार्थ, लहे दिल्ली-110001, को

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revonue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Dethi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-358 (bid:

(1)

यदि साम के फिलो जुकाराज के सामाने से, जहां जुक्साल किभी साल को किशो कारखाने से महार गृह के भारगमल के टीराज या किसी अल्य कारखाने या फिर किशो एक अंडार गृह से दूसरे अंडार गृह भारगमज के दौराज, या किसी अंडार गृह से या अंडारण से सालकरण के टीराज, किसी कारखाने या किसी अंडार गृह में माल के जुकाराज के सामाने में। In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a manufacture

भारत के बज़र किसी राष्ट्र या क्षेत्र को शियांत कर रहे स्टान के विजियांण से प्रमुक्त कथ्ये साल पर भरी नहें केन्द्रीय उत्पद शुल्क के फुट (Naz) के सालने से, जो सारत के बाहर किसी राष्ट्र या वांत्र की लियांत की गयी है। / warehouse

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside india of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside india. (ii)

वटि उत्पाद शुल्क का भुगालन किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल नियोत किया गया है। /

- In case of goods exported outside india export to Nepal or Bhutan, without payment of duty. (m)
- सुनिधित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के मुगराज के लिए जो इम्टी केडीट इस अधिनियल एवं इसके विभिन्न पावधाले के तहत साल्य की नई हे और ऐसे अदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा चिरेत अधिनियस (ल. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा लियल की नई तारीख अधवा साल्याविधि पर था बाद में पारित किए गए है।/ (iv)

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act of the fluxes made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the data appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

उपरोकत आवेदन की दो प्रतिया वपन सक्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमागलें, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विभिष्टिष्ट है. इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की उजनी चाहिए । उपरोक्त आवेदने के साथ मूल आदेष व अपील आदेश की दो प्रतिया संसम्म की जानी चाहिए। साथ ही कन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपिनियम, 1944 की घारा 35-EE के लहत निय्योपित शुल्क की अदयागी के साहय के तौर पर TR-6 की प्रति संसदन की जानी प्रारिण । (v) The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal it should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan excompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal it should also be accompanied by a copy of Account.

प्रसीक्षण अधिटन के लाम जिल्लीहिकित निर्मापित शुल्क की अदावनी की जानी चाहिए । जिही संसन रकन एक लाख काम्ये मा उसने कम ही तो रूपये 2001- का मुनातान किया जाए और मंदि संजन्त रकम एक आख कम्प्रो से ज्यादा ही तो कपने 1000 -/ का मुनातान जिल्हा जाए । The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 2007- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac. (vi)

परि इस आदेश में कई मूल उन्द्रेशों का आगवेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का मुगलल, उपयुंकत देन में किया जाना थाहिये। इस लघ्य के शोरे हुए थी की लिखा पड़ी कार्य से बचने के फिए यथालिकोत अचेतीय जयापिकरण को एक अपील या वैद्याय सरकार को एक अवेदन किया जाना है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each 0.1.0. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appelant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptona work if excessing Rs. 1 lake tee of Rs. 1004 for each.

प्रशिणित त्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूथी। के अनुसार सूत्र आदेश एवं स्थलन आदेश की पति पर निपोणित 6.50 वयदे का 'पत्रम शुल्क दिकिट जेना होना चाहिए। / 'sp at application of O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall beer a court fee stamp 'S0 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

कन्हींस उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय ल्यायाधिकरण (कामें विधि) जियलावली, 1982 में वॉलेंज एवं अल्य संबल्धित सामानी को बाले लियली की और भी ध्याल आकर्षित किया जागा है। / Invited for sets an extent anexest texts oran #1.7 invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service (Procedure) Rules, 1982.

को अभोल दाखिल करने से संबोधित व्यापक, विस्तृत और जवीनलन पालपानी के लिए, अपीलापी विभागीय वेवसाइट

and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may सकते हैं

vosite www.cbiec.gov.in



**** · · · ·

Appeal No: V2/27/BVR/2017

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Madhav Copper Pvt. Ltd., Plot No. 5/B/B, Survey No. 346-47, Near Kobadi, Ukharla, Bhavnagar (*hereinafter referred to as* 'the appealant') have filed the appeal against the Order-in-Original No. R-278/Refund/2016-17 dated 30.12.2016 (*hereinafter referred to as* 'the impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central Excise City Division, Bhavnagar (*hereinafter referred to as* 'the adjudicating authority').

2. The brief facts of the case are that the appellant - manufacturer exporter of excisable goods namely 'Submersible Winding Wires' - is availing benefits of CENVAT Credit and had exported 2034.04 Kgs under ARE-1 No. 001/04.08.2015; after completion of export formalities and shipment of the above goods, the appellant filed Rebate claim on 25.10.2016 for Rs. 1,20,006/- as per Section 11-B of the Central Excise Act, 1944 (Act) read with Rule 18 of the Rules and Notification No. 19/2004-CE (NT) dated 06.09.2004 as amended vide Notofication No. 18/2016-CE (NT) dated 01.03.2016. The goods were exported on 10.08.2015 whereas rebate claim was filed on 25.10.2016 i.e. after the prescribed time limit of One year. Therefore, Show Cause Notice dated 09.12.2016 was issued to the appellant, which was adjudicated by the lower adjudicating authority vide impugned order wherein he rejected rebate claim on account of time limitation under Section 11B of Central Excise, 1944 (hereinafter referred as "the Act.").

 Being aggrieved with the impugned order, the appellant filed appeal, interalia, on the grounds as under :-

- The adjudicating authority has passed the impugned order violating the settled principle of judicial discipline pronounced by CESTAT / High Court.
- (ii) The main condition as per Rule- 18 of the Rules read with and Notification No. 19/2004-CE dated 06.09.2004 i.e. the export of the excisable goods had taken place within six months from the date of removal of the exported goods from the factory of the appellant.
- (iii) There is no time limit prescribed except the time limit for making the export of the goods within 6 months in Notification No. 19/2004-CE dated 06.09.2004, there is no other time limit prescribed as held in 2012 (281) E.L.T. 227 (Mad.), M/s Dorcas Market Makers Pvt. Ltd.

Anna

(iv) There is a prescribed policy of the Central Government that whenever any goods and taxable service are exported outside India, refund of tax/ duty paid is to be allowed and exporter's interests to be protected vide Article of 226 of the Constitution of India.

- (v) They relied on the following cases in support of their claim:
- Dorcas Market Makers P. Ltd. Reported as 2015 (325) ELT 0104 (SC)
- Swagat Synthetics reported as 2008 (232) E.L.T. 413 (Guj.)
- Raghuvar (India) Ltd. reported as 2000 (118) E.L.T. 311 (SC)
- Shasun Pharmaceuticals Ltd. reported as 2013 (291) E.L.T. 189 (Mad)

4. Personal hearing in the matter was attended by Shri N. K. Maru, Consultant, who reiterated the grounds of appeal and submitted that rebate is not covered under Section 11B of the Act; that goods were exported within 6 months of removal under ARE-1 date; that there is no time limit to seek refund at the said notification.

FINDINGS:-

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and submission made during the personal hearing. I find that the issue to be decided in the present appeal is as to whether the rebate claim filed under Notification No. 19/2004-CE(NT) as amended beyond one year from the date of export is to be allowed or not.

6. I find that Section 11B not only covers refund but rebate claims also as clarified vide Explanation(A) in the Act itself. Section 11B is reproduced for ready reference as below :

"Section 11B. Claim for refund of duty and interest, if any, paid on such duty -

(1) Any person claiming refund of any duty of excise and interest, if any, paid on such duty may make an application for refund of such duty and interest, if any, paid on such duty to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise <u>before the expiry of one year from the</u> <u>relevant date</u>.....

rive

Explanation. - For the purposes of this section, -

- (A) <u>"refund" includes rebate of duty of excise on excisable goods exported out of India</u> or on excisable materials used in the manufacture of goods which are exported out of India;
- (B) "relevant date" means, -

(a) in the case of goods exported out of India where a refund of excise duty paid is available in respect of the goods themselves or, as the case may be, the excisable materials used in the manufacture of such goods. -

(i) if the goods are exported by sea or air, the date on which the ship or the aircraft in which such goods are loaded, leaves India.

[Emphasis supplied]

7. I also find that Notification No. 19/2004-CE (NT) has been amended vide Notification No. 18/2016-CE(NT) dated 01.03.2016 wherein words "before the expiry of the period specified in Section 11B of Central Excise Act, 1944 (1 to 1944)" have been inserted. Hence, the case laws prior to this amendment will not be applicable in this case.

The law as it existed in 2016 makes it very clear that Section 11B is 8 applicable to rebate claims also as refund includes rebate of duty of excise on excisable goods exported out of India. The rebate claim is also required to be claimed within one year from the relevant date. In this case rebate has been claimed on 25.10.2016 whereas goods had been exported on 10.08.2015 and hence rebate claim is actually time barred.

In view of above, I find that the rejection of the Rebate claim on the ground 9 of time-bar is legal and proper. The appeal is, therefore, rejected.

अपीलकर्ता द्वारा दर्ज़ की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है. 9.9

The appeal filed by the appellant is disposed off in above terms. 9.1

(कमार संतोष) आयुक्त (अपील्स)

By Speed Post

To

1 -

	मेसर्स माधव कॉपर प्रा. ली. प्लॉट न. 5/8/8, सर्वे न. 346-47, कोबाड़ी के पास, ऊखरला, भावनगर- तलाजा रोड, भावनगर- ३६४ ०५०.
--	---

Copy to:-

1. The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.

The Commissioner, GST & Central Excise, Bhavnagar Commissionerate, Bhavnagar.
 The Assistant Commissioner, GST & Central Excise City Division, Bhavnagar.

4. Guard File.